2nd January 2019

Visit to plastic Recycling plant by Dr. Meeta & Dr. Sanjay to know intricate details

20th January 2019

Eco-brick workshop with river connect & Yamuna bachao group Agra orgaized my Mr. Brij Khandelwal, Mr. Har Vijay Bahia at Goverdhan Hotel Agra.

20th January 2019

दर्शनी में
ही भीड़

...दी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड
...ठ साल बाद अयोजित
...तीय खादी ग्रामोद्योग
...ों खासी भीड़ उमड़ रही
...ाहे के पास स्थित शहीद
...में चल रही इस प्रदर्शनी
...बेरोजगारों को अपने
... की तरफ से वित्तीय
...र स्वरोजगार को प्रेरित
...ही भारतीय सांस्कृतिक
...बढ़ावा दिया जा सके।
...धिकारी ओपी चक के
...मोद्योग बोर्ड से पोषित
...फ से निर्मित अचार,
...जैकेट, खादी जैकेट,
..., पायजामा, कश्मीरी
...शाल रेंज उपलब्ध है।

...ानकारी भी
...स्टॉल भी हैं। पार्किंग
...द्योग बोर्ड की तरफ
...ा रही है। आयोजन
...ो रोजगार शुरू करने
...ार से दी जा रही है।
...दघाटन सांसद चौ.
...। जिला ग्रामोद्योग
...चक ने बताया कि
...ों के उत्पादों की यह

यमुना किनारे प्लास्टिक की ईंटों से बनेगा ताज

आगरा | वरिष्ठ संवाददाता

कहते हैं कि लोहा ही लोहे को काटता है। प्लास्टिक की समस्या का निदान भी इसी में है। इसे खत्म करने के लिए प्लास्टिक के ठोस सामान बनाए जा सकते हैं। ईंटें भी मजबूत और बेहतरीन विकल्प हैं। इससे बनी इमारतें बेहद मजबूत होंगी। आगरा में यमुना आरती स्थल पर ईको ब्रिक से ताजमहल बनाया जाएगा। शनिवार को होटल गोवर्धन में अनफोल्ड फाउंडेशन, चाइल्ड केयर वेलफेयर सोसायटी और सेव यमुना की कार्यशाला में यह जानकारी दी गई।

अनफोल्ड संस्था की पूनम कुन्द्रा ने ईको ब्रिक (प्लास्टिक की ईंट) बनाने की तकनीक बताते हुए कहा कि इसमें पेकिंग युक्त सामान की प्लास्टिक का प्रयोग किया जा सकता है। 1500 मिलीग्राम की बोतल में लकड़ी की डंडी की मदद से करीब 500 ग्राम प्लास्टिक भर जाती है। अब तक 100 किलो ईंटे बना चुकी है। इससे पब्लिक टॉयलेट, सोफा, बेंच (स्कूल व पार्कों में) ट्रीगार्ड, सहित कई चीजों का निर्माण किया जा सकता है। इंडोनेशिया और फिलीपींस जैसे देशों में ऐसा किया जा रहा है। रिवर कनेक्ट अभियान के ब्रज खंडेलवाल ने यमुना आरती स्थल पर ईको ब्रिक से एक बेंच बनाने की बात कही। हरविजय वाहिया ने हर व्यक्ति से घर के प्लास्टिक के कचरे से वर्ष में कम से कम एक ईको ब्रिक बनाने का संकल्प लेने के साथ यमुना आरती स्थल पर ताजमहल बनाने का एलान किया। श्रवन कुमार, पद्मिनी अय्यर, ज्योति खंडेलवाल, चतुर्भुज तिवारी, नीलम भटनागर, निधि पाठक, डॉ. कृष्ण पाल सिंह आदि उपस्थित थे।

जीन्स भी बदल रही है प्लास्टिक

सर्जन डॉ. मीता कुलश्रेष्ठ ने बताया कि पॉलीथिन को साफ्ट बनाने के लिए प्रयोग किया जाने वाला बीपीए (बिस फिनायल ए) मिट्टी से फल और सब्जियों के जरिए मनुष्य के शरीर में पहुंचकर हार्मोनल असंतुलन पैदा करता है। इनफर्टिलिटी के मामले बढ़ने की एक मुख्य वजह प्लास्टिक भी है। एक भारतीय प्रतिवर्ष 11 किलो प्लास्टक प्रयोग करता है। जबकि एक अमेरिकन 109 किलो।

शनिवार को प्लास्टिक की ईट बनाने की जानकारी देती संस्था की सदस्य।

आईटीआई में लगा रोजगार मेला

आगरा। राजकीय आईटीआई बल्केश्वर में छात्राओं के लिए एमएनसी कंपनी ने रोजगार मेला शनिवार को लगाया गया। कंपनी में 80 छात्राओं का चयन होना था। लेकिन साक्षात्कार में महज 12 छात्राएं ही पहुंची। कंपनी के प्रतिनिधियों ने इलेक्ट्रॉनिक्स की छात्राओं का साक्षात्कार लिया। साक्षात्कार में चयनित छात्राओं का चयन कंपनी के नोएडा सेंटर में नौकरी मिलेगी।

विश्वासियों को पढ़ाया एकजुटता का पाठ

आगरा | कार्यालय संवाददाता

आगरा छावनी स्थित हैवलॉक मैथोडिस्ट चर्च में मसीह अठवारे के तीसरे दिन प्रार्थना और पूजा संपन्न हुई। विश्वासियों को एकजुटता का पाठ पढ़ाया गया। आध्यात्मिकता, एकता और देश में शांति का संदेश दिया गया।

हैवलॉक मैथोडिस्ट चर्च आगरा छावनी में बिशप आर्ल्बट डिसूजा ने प्रार्थना सभा के दौरान विश्वासियों को संबोधित किया। कहा कि प्रेम और न्याय दोनों एक दूसरे के संपूरक हैं। आगरा महाधर्माप्रांत के मीडिया प्रभारी फादर मून लाजरस ने कहा कि प्रतिवर्ष 18 से 25 जनवरी तक मसीह आध्यात्मिकता एकता के लिए प्रार्थना की जाती है। लेकिन आगरा में यह अठवारा 17 से 24 जनवरी तक मनाया जाता है। प्रार्थना सभा में प्रधान पुरोहित पादरी गिल, पादरी सिल्वेस्टर मैसी, पादरी मसीह लाल, फादर प्रवीण मोरस मौजूद रहे।

अठवारे पर शनिवार को चर्च में प्रार्थना करते अनुयायी। • हिन्दुस्तान

...यारों से अमृत पान कर गोविंद सिंह बने

किसी का कर्ज या अमानत

8th February 2019

Nehru Nagar Eco-Brick workshop by Dr. Alka & Mrs. Poonam Lahoti

Grand inauguration of 1st Eco-Bench by Shri. Jagan Prasad Gang, M. P. at Lajpat-Kunj colony Park.

प्लास्टिक की बोतल से बनी बेंच का लोकार्पण

आगरा। अनफोल्ड फाउंडेशन संस्था की ओर से लाजपत कुंज में प्लास्टिक की बोतल से बेंच का निर्माण कराया गया है। मुख्य अतिथि विधायक जगन प्रसाद गर्ग और अपर नगर आयुक्त विनोद कुमार ने इसका लोकार्पण कर संस्था के प्रयासों की सराहना की। आगरा विकास मंच के अध्यक्ष अशोक जैन सीए और हरिविजय वाहिया ने कहा कि लोग बोतल को फेंकें नहीं बल्कि संस्था तक पहुंचाएं। कार्यक्रम में संयोजिका डॉ. नीता माथुर, डॉ. राहुल राज, बृज खंडेलवाल, अलका कपूर, संदेश जैन, राजीव चतुर्वेदी, सुशील जैन, प्रदीप खंडेलवाल रहे।

9th February 2019

अनफोल्ड फाउंडेशन द्वारा इको ब्रिक्स प्रोजेक्ट पोस्टर का विमोचन करती संस्था की संयोजक डॉ मीता कुलश्रेष्ठ, डॉ. अल्का कपूर , हरविजय बहिया, अशोक जैन सी ए एवं संस्था की पदाधिकारी।

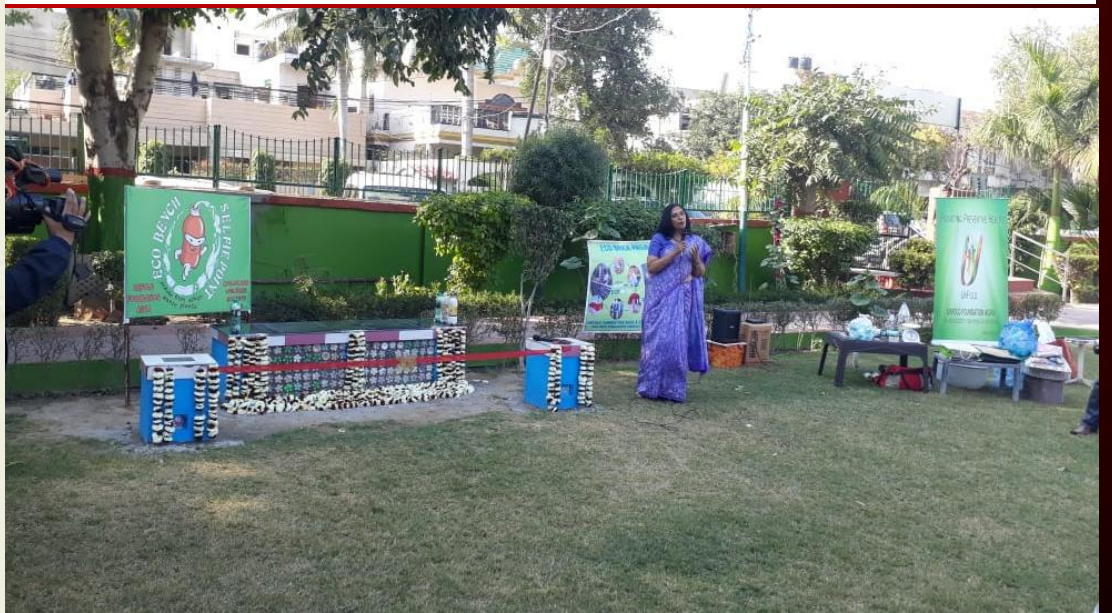

9th February 2019

ईको ब्रिक्स बेंच लाजपत कुंज के पार्क में स्थापित

देश की प्रथम ईको ब्रिक्स निर्मित बेंच होने का दावा, 500 साल तक नष्ट नहीं होगी

DLA News

आगरा। शहर की पॉश कॉलोनी लाजपत कुंज के पार्क में अनफोल्ड फाउंडेशन की पहल पर ईको ब्रिक्स से निर्मित बेंच स्थापित हो गई है। विधायक जगन प्रसाद गर्ग और अपर नगर आयुक्त विनोद कुमार ने इसका लोकार्पण किया। दावा किया गया है कि यह भारत की पहली ईको ब्रिक्स बेंच है।

यह बेंच इको ब्रिक्स यानी प्लास्टिक की बोतलों से बनाई गई है। इस ब्रिक को बनाने के लिए प्लास्टिक की खाली बोतल में पॉलिथीन, वेस्ट रैपिंग, थर्माकॉल, नॉन वोवन बैग्स इत्यादि को ठूंस-ठूंस कर भरा जाता है जिससे यह प्लास्टिक से निर्मित एक ईंट का रूप ले लेती है। रिसर्च बताती है कि यह ईंट 500 सालों तक नष्ट नहीं होगी। इसे बेंच, स्टूल, टेबल, बाउंड्रीवॉल, ट्री गार्ड, नाला निर्माण, शौचालय, सीढ़ियां, सेंट्रल चैनल इत्यादि बनाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। अनफोल्ड फाउंडेशन और चाइल्ड केयर वैलफेयर सोसायटी की इस पहल की उपस्थित लोगों ने सराहना की। शहरवासियों से इस पहल में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने और अपना योगदान देने का आह्वान किया गया।

लोकार्पण से पहले कूड़ा उठाने वाले बच्चों से बेंच का अनावरण कराया गया। इसके पीछे संस्था की सोच थी कि कूड़ा बीनने वाले स्वच्छता के सच्चे सिपाही हैं। कार्यक्रम में अनफोल्ड फाउंडेशन की मुख्य समन्वयक डॉ मीता कुलश्रेष्ठ, सचिव डॉ. अलका कपूर, सह सचिव डॉ. पूनम धवन, कोषाध्यक्ष पूनम कुंद्रा, चाइल्ड केयर वेलफेयर सोसायटी की अध्यक्ष नीना सिंघल, सचिव पूनम लाहोटी, आगरा विकास मंच के अध्यक्ष अशोक जैन सीए, हरविजय बाहिया, प्रदीप खंडेलवाल, हेमंत भोजवानी, संदेश जैन, डॉ. राहुल राज कुलश्रेष्ठ, सुशील जैन, कांता माहेश्वरी सहित बड़ी संख्या में शहर के प्रबुद्ध लोग उपस्थित थे। संचालन पूजा अग्रवाल ने किया।

अनफोल्ड फाउंडेशन द्वारा लाजपत कुंज पार्क ईको ब्रिक्स से निर्मित बेंच का लोकार्पण करते विधायक जगन प्रसाद गर्ग, अपर नगर आयुक्त विनोद कुमार, संयोजिका डॉ नीता माधुर कुलश्रेष्ठ, हर विजय सिंह बाहिया, अशोक जैन सीए, डॉ राहुल राज कुलश्रेष्ठ, बृज खंडेलवाल एवं अन्य।

ईको ब्रिकः अच्छा आइडिया, एक कदम आप भी बढ़ाओ!

- अनफोल्ड फाउंडेशन के ईको ब्रिक्स प्रोजेक्ट के पोस्टर का विमोचन
- शहर में लाजपत कुंज के पार्क में लगाई जा रही है पहली ईको बेंच

DLA News

आगरा। शहर को पॉलीथिन से मुक्ति दिलाने के लिए अनफोल्ड फाउंडेशन ईको ब्रिक्स को अपनाने पर जोर दे रहा है। फाउंडेशन ने ईको ब्रिक्स प्रोजेक्ट भी शुरू किया है। विगत दिवस प्रोजेक्ट के पोस्टर का विमोचन कर लोगों को इस प्रोजेक्ट से जुड़ने का आह्वान किया गया।

ईको ब्रिक्स प्रोजेक्ट में अनफोल्ड फाउंडेशन को यमुना बचाओ आंदोलन, गो ग्रीन ग्रुप, पर्यावरण प्रेमी हरविजय सिंह बाहिया और आगरा विकास मंच के अध्यक्ष अशोक जैन सीए का भी सहयोग मिल रहा है। प्रोजेक्ट के पोस्टर विमोचन के मौके पर बताया गया कि ईको ब्रिक एक निराला तरीका है, जिसके द्वारा पॉलीथिन वेस्ट द्वारा पर्यावरण को होने वाले नुकसान को रोका जा सकता है। पॉलीथिन से ईंट बनाना बहुत आसान है। प्लास्टिक की खाली बोतल में पॉलीथिन रैपर आदि को ठूंस-ठूंस कर भरा जाता है, जिससे वह एक ईंट का रूप ले लेती है। इस प्लास्टिक ईंट से फर्नीचर, बाउंड्रीवाल और घर आदि भी बनाए जा सकते हैं।

बताया गया कि अनफोल्ड फाउंडेशन की ओर से लाजपत कुंज के पार्क में ईको बेंच का निर्माण कराया जा रहा है, जिसका लोकार्पण नौ फरवरी को नगरायुक्त अरुण प्रकाश करेंगे। दावा किया गया कि देश में इस तरह की यह पहली बेंच होगी। इसमें 300 प्लास्टिक बोतल (ईको ब्रिक्स लगी हैं, जिसमें कुल 60 किलोग्राम पॉलीथिन की खपत हुई है। पिछले दिनों यमुना प्रेमियों द्वारा भी यमुना आरती स्थल पर एक ईको बेंच लगवाने का वायदा किया गया है।

अनफोल्ड फाउंडेशन ने नगर निगम और विकास प्राधिकरण को सुझाव दिया है कि शहर के पार्कों की बाउंड्रीवाल, नाला निर्माण और सेंट्रल चैनल बनाने में ईको ब्रिक्स का इस्तेमाल करें। इससे न केवल पर्यावरण सुधरेगा अपितु सरकारी धन की बचत भी होगी।

अनफोल्ड फाउंडेशन के ईको ब्रिक्स प्रोजेक्ट के पोस्टर का विमोचन करतीं संस्था की संयोजक डॉ. मीता कुलश्रेष्ठ, डॉ. अलका कपूर , हरविजय बाहिया, अशोक जैन सीए एवं अन्य। Photo-DLA

न्यूज डायरी

ईको ब्रिक से मिटेगी पॉलिथीन की समस्या

आगरा। अनफोल्ड फाउंडेशन के ईको ब्रिक प्रोजेक्ट से पालीथिन की समस्या से निजात मिलेगा। इसमें प्लास्टिक की बोतलों में पॉलिथीन और चमड़े की कतरन भरकर ईंटें बनाई जाएंगी। संस्था इन ईंटों से पार्क की बाउंड्रीवाल, फर्नीचर, बैंच, शौचालय का निर्माण कराएगी। संस्था की डॉ. मीता कुलश्रेष्ठ ने बताया कि बोतलों का ईंटों की तरह प्रयोग कर इन सभी का निर्माण खुद अपने खर्चे पर करेगी। सचिव डॉ. अल्का कपूर ने बताया कि इन बोतलों से लाजपत कुंज पार्क में बैंच बनाई गई है, जिसका उद्घाटन नौ फरवरी को नगर आयुक्त करेंगे। आगरा विकास मंच के अध्यक्ष अशोक जैन सीए का कहना है कि अच्छी पहल है, इसमें सामाजिक संगठनों के साथ जनमानस का सहयोग जरूरी है। हरिविजय वाहिया ने कहा कि लोग बोतल को फेंके नहीं, बल्कि एकत्रित कर संस्था को सूचित कर सकते हैं। पोस्टर विमोचन कर अभियान की शुरूआत की। इसमें डॉ. पूनम धवन, नीना मुनयाल, पूनम कुंद्रा, पूनम लाहोटी, पूजा अग्रवाल, संदेश जैन आदि रहे।

9th February 2019

70 KGs of polythene kept out of the biosphere by this bench

ईको ब्रिक्स से सुधरेगा पर्यावरण, सुंदर होगा शहर

जागरण संवाददाता, आगरा: लाजपत कुंज पार्क में शनिवार को ईको ब्रिक्स से बनी बेंच का लोकार्पण हुआ। इसके निर्माण में प्लास्टिक की बोतल में पॉलीथिन, वेस्ट रैपिंग, थर्माकोल आदि को भरकर बनाई गई ईको ब्रिक्स का इस्तेमाल हुआ है।

अनफोल्ड फाउंडेशन और चाइल्ड केयर वेलफेयर सोसायटी द्वारा बनवाई गई बेंच का लोकार्पण विधायक जगन प्रसाद गर्ग व अपर नगर आयुक्त विनोद कुमार गुप्ता ने किया। बेंच बनाने में 300 ईको ब्रिक्स का इस्तेमाल हुआ है, जिसमें 60 किग्रा वेस्ट प्लास्टिक की खपत हुई। संस्थाओं का दावा है कि यह देश की पहली ईको ब्रिक्स से बनी बेंच है। कूड़ा उठाने वाले बच्चों से बेंच का अनावरण कराया गया। उन्हें स्वच्छता के सिपाही बताते हुए उन्हें एकत्र की गई पॉलीथिन देने को कहा गया, जिससे उन्हें कूड़े में से पॉलीथिन एकत्र करने से बीमारियां नहीं लगें। अनफोल्ड फाउंडेशन की मुख्य समन्वयक डॉ. मीता कुलश्रेष्ठ, सचिव डॉ. अलका कपूर, डॉ. पूनम धवन, पूनम कुंद्रा, चाइल्ड केयर वेलफेयर सोसायटी की अध्यक्ष नीना सिंघल, सचिव पूनम लाहोटी, प्रदीप खंडेलवाल, हेमंत भोजवानी, संदेश जैन, डॉ. राहुल राज, कांता माहेश्वरी मौजूद रहीं। आगरा विकास मंच के अध्यक्ष अशोक जैन सीए और पर्यावरण प्रेमी हरविजय वाहिया ने सभी का उत्साहवर्धन किया।

ब्रिक्स से बनाई गई बेंच का लोकार्पण शनिवार को विधायक जगनप्रसाद गर्ग और अपर नगर आयुक्त विनोद कुमार द्वारा किया गया • जागरण

ईको ब्रिक से पॉलिथीन प्रदूषण से निजात

आगरा | कार्यालय संवाददाता

अन्फोल्ड फाउंडेशन द्वारा पर्यावरण को सुरक्षित बनाने के लिए ईको ब्रिक प्रोजेक्ट की मुहिम रंग लाने लगी है। फाउंडेशन के सदस्यों ने वेस्ट पॉलिथीन से ईको ब्रिक न बनाकर बल्कि एक बड़ी बेंच बनाई है। इस बेंच का उद्घाटन नौ फरवरी को किया जाएगा।

बुधवार को अन्फोल्ड फाउंडेशन के सदस्यों ने संजय प्लेस स्थित एक होटल में ईको ब्रिक बेंच का पोस्टर विमोचन किया। डॉ. मीता कुलश्रेष्ठ ने बताया कि इस बेंच का उद्घाटन नौ फरवरी को नगर आयुक्त शाम तीन बजे करेंगे। यमुना बचाओ आंदोलन, ग्रो ग्रीन ग्रुप शामिल है। डॉ. अलका कपूर ने कहा कि ईको ब्रिक एक ऐसी तकनीक है, जिससे पॉलिथीन के नुकसान से बचा जा सकता है। इसमें प्लास्टिक की खाली बोतल में पॉलिथीन रेपर ठूंस कर भरा जाता है। फिर इस प्लास्टिक ईंट से फर्नीचर, बाउंड्रीवाल आदि बना सकते हैं। डॉ. पूनम धवन ने कहा कि भारत की यह पहली बेंच है। इसमें तीन सौ प्लास्टिक की बोतल ईको ब्रिक्स लगी है। करीब 60 किलो पॉलिथीन खपाई गई है। नीना मुनयाल, विजय, पूनम लाहोटी पूजा अग्रवाल, हरविजय बहिया, अशोक जैन सीए, संदेश जैन आदि मौजूद रहे।

ईको ब्रिक्स बेंच के लिए पोस्टर विमोचन करते आयोजक। • हिन्दुस्तान

Agraites find an innovative way to reuse plastic bottles

HT Correspondent

AGRA: To curb the menace of plastic waste, activists of Unfold Foundation and Child Welfare Society here have created an 'eco bench' using 'eco bricks' or empty plastic bottles stuffed with polythene bags. Now they are planning to make a symbolic 'Taj Mahal' with such 'eco bricks' to spread word about reuse of plastic bottles to keep the city clean.

On Saturday, the 'eco bench' was inaugurated at Lajpat Nagar park in the presence of MLA, Agra north Jagan Prasad Garg and additional municipal commissioner Vinod Kumar.

Appreciating the move, Garg said that it would reduce pollution due to plastic waste. "The idea is appreciable as it will encourage denizens to not throw plastic waste such as bottles and polythene. Plastic bottles and waste can be used to make eco bench, tree guards, walls etc."

"I have brought about 20 empty plastic bottles to be converted into eco bricks," he said.

Dr Meeta Kulshretha, coordinator of Unfold Foundation, said, "The eco bench was made using empty plastic bottles filled with packing material and polythene to make them air tight and seal them. After that the bottles become rock solid and can remain the same for 500 years."

She said, "The 'eco bench' at the park was made up of about 300 eco brick bottles, in which 60 kilograms of plastic waste was used. In coming days we will also create walls, toilets, stairs and drains with the help of eco bricks."

Secretary of Childcare Welfare Society Poonam Lahoti said that to make eco bricks, students, rag pickers and local residents put in a lot of effort.. "We urge people to contribute in this initiative, as it will help keep the city clean and plastic-free," she said.

Programme convener Dr Harvijay Singh Bahia said, "We have appealed to people to donate waste plastic bottles, so that they may be converted into 'eco bricks' and used in various ways." "In future we are planning to make a symbolic 'Taj Mahal' with 'eco bricks' near the Itmad-ud-daulah view point," he said. Yogesh Dubey.

The eco bench inaugurated at Lajpat Nagar park has been made using empty plastic bottles filled with packing material. HT

ON SATURDAY, THE 'ECO BENCH' WAS INAUGURATED AT LAJPAT NAGAR PARK IN THE PRESENCE OF MLA, JAGAN PRASAD GARG AND ADDL MUNICIPAL COMMISSIONER VINOD KUMAR

ईको ब्रिक से पॉलिथीन प्रदूषण से निजात

आगरा | कार्यालय संवाददाता

अन्फोल्ड फाउंडेशन द्वारा पर्यावरण को सुरक्षित बनाने के लिए ईको ब्रिक प्रोजेक्ट की मुहिम रंग लाने लगी है। फाउंडेशन के सदस्यों ने वेस्ट पॉलिथीन से ईको ब्रिक न बनाकर बल्कि एक बड़ी बेंच बनाई है। इस बेंच का उद्घाटन नौ फरवरी को किया जाएगा।

बुधवार को अन्फोल्ड फाउंडेशन के सदस्यों ने संजय प्लेस स्थित एक होटल में ईको ब्रिक बेंच का पोस्टर विमोचन किया। डॉ. मीता कुलश्रेष्ठ ने बताया कि इस बेंच का उद्घाटन नौ फरवरी को नगर आयुक्त शाम तीन बजे करेंगे। यमुना बचाओ आंदोलन, ग्रो ग्रीन ग्रुप शामिल है। डॉ. अलका कपूर ने कहा कि ईको ब्रिक एक ऐसी तकनीक है, जिससे पॉलिथीन के नुकसान से बचा जा सकता है। इसमें प्लास्टिक की खाली बोतल में पॉलिथीन रेपर ठूंस कर भरा जाता है। फिर इस प्लास्टिक ईंट से फर्नीचर, बाउंड्रीवाल आदि बना सकते हैं। डॉ. पूनम धवन ने कहा कि भारत की यह पहली बेंच है। इसमें तीन सौ प्लास्टिक की बोतल ईको ब्रिक्स लगी है। करीब 60 किलो पॉलिथीन खपाई गई है। नीना मुनयाल, विजय, पूनम लाहोटी पूजा अग्रवाल, हरविजय बहिया, अशोक जैन सीए, संदेश जैन आदि मौजूद रहे।

24th February 2019

Eco-Brick workshop at district Jail Agra by Dr. Meeta & MRS. Poonam Lahoti. Inmates were taught how to make Eco-bricks to make good use of their time & serves the society. Aunique programe, India's first in any jail

24th February 2019

अन फोल्ड फाउंडेशन के सहयोग से इको ब्रिक्स एवं आगरा विकास मंच के संयुक्त तत्वाधान में जिला कारागार आगरा को बेस्ट प्लास्टिक बोतल एवं पीवीसी के प्रदूषण से मुक्त करने हेतु जिला कारागार अधीक्षक श्री शशिकांत मिश्रा एवं श्री ए के सिंह जेलर जिला आगरा के साथ हर विजय सिंह वाहिया, अशोक जैन सीए एवं सुशील जैन ,संदेश जैन गहन एवं सार्थक चर्चा एवं विचार विमर्श कर अंतिम रूप देते हुए।

जिला कारागार होगा प्लास्टिक प्रदूषण से मुक्त

आगरा। अन फोल्ड फाउंडेशन के सहयोग से ईको ब्रिक्स एवं आगरा विकास मंच के संयुक्त तत्वाधान में जिला कारागार आगरा को वेस्ट प्लास्टिक बोतल एवं पीवीसी के प्रदूषण से मुक्त करने के लिए जल्द ही अभियान शुरू होगा। इस संबंध में बुधवार को जिला कारागार अधीक्षक शशिकांत मिश्रा एवं अन्य जेल अधिकारियों के साथ हरविजय सिंह वाहिया, अशोक जैन सीए एवं सुशील जैन की चर्चा हुई। यह निर्णय लिया गया कि अनओल्ड फाउंडेशन की डॉक्टर मीता भट्टाचार्य के साथ मिलकर शीघ्र ही जिला कारागार में कैदियों के समक्ष एक ईको ब्रिक्स बनाने की डेमॉंस्ट्रेशन एवं कार्यशाला प्रस्तुत की जाएगी। साथ ही जिला जेल अधीक्षक के साथ कैदियों द्वारा ईको ब्रिक्स बनाने का अनुबंध न्यूनतम मजदूरी के आधार पर किया जाएगा। हरविजय वाहिया ने कहा कि इस ईको ब्रिक्स से शीघ्र ही शहर को एक टॉयलेट निर्मित कर लोकार्पित किया जाएगा।

आगरा
सोमवार, 25 फरवरी, 2019
www.dlamedia.com
DLA

ईको ब्रिक्स बनाकर कैदी दूर कर सकेंगे एकीकापन

आगरा विकास मंच ने जिला जेल प्रशासन से किया करार

जिला कारागार में आयोजित कार्यशाला में कैदियों को ईको ब्रिक्स बनाना सिखातीं डॉ. मीता एवं पूनम लाहोटी। चित्र में जेल अधीक्षक शशिकांत मिश्रा, अशोक जैन सीए, जेलर एके सिंह, संदेश जैन व सुशील जैन भी हैं।

DLA News

आगरा। जिला कारागार में प्लास्टिक की वेस्ट बोतलों एवं वेस्ट प्लास्टिक सामग्री से ईको ब्रिक बनाने की एक वृहद योजना बनाई गई है। इसके तहत जेल की दस महिला और 15 पुरुष कैदियों को ईको ब्रिक बनाना सिखा दिया गया है। सीखे हुए ये कैदी अन्य कैदियों को ईको ब्रिक बनाना सिखाएंगे।

आगरा विकास मंच एवं ईको ब्रिक्स द्वारा अनफोल्ड फाउंडेशन के सहयोग से जिला कारागार इसके लिए एक कार्यशाला आयोजित की गई थी। इसमें डॉ. मीता एवं पूनम लाहोटी ने कैदियों को सिखाया कि कैसे प्लास्टिक की बोतलों एवं वेस्ट प्लास्टिक सामग्री से ईको ब्रिक (ईंट) बनाई जाती हैं। इस मौके पर जिला कारागार के अधीक्षक शशिकांत मिश्रा भी मौजूद रहे। इस योजना के संरक्षक हर विजय सिंह वाहिया हैं, जो किसी कारणवश उपस्थित नहीं हो सके थे।

आगरा विकास मंच के अध्यक्ष अशोक जैन सीए ने बताया कि मंच ने जिला कारागार अधीक्षक से एक अनुबंध किया है जिसके तहत प्रत्येक कैदी को छोटी बोतल से ईको ब्रिक बनाने पर चार रुपये और दो लीटर की बड़ी बोतल से इको बनाने पर पांच रुपये चेक द्वारा दिए जाएंगे। जेल अधीक्षक श्री मिश्रा ने कहा कि ईको ब्रिक्स बनाकर कैदी अपना एकाकीपन दूर कर सकेंगे। इको ब्रिक बनाने की सामग्री खाली बोतलें और प्लास्टिक आगरा विकास मंच जिला कारागार को उपलब्ध कराएगा और बनी हुई ईको ब्रिक्स निर्धारित मूल्य पर जिला कारागार से खरीदेगा। कार्यक्रम में सुशील जैन, जेलर एके सिंह भी मौजूद रहे। संचालन संदेश जैन ने किया।

Agra jail inmates will be trained to make 'eco bricks'

AGRA: District jail inmates will be trained to make 'eco bricks', which will used to make benches, tables and walls etc. The move is aimed at making the jail premises a polythene-free zone, said authorities.

Each brick will be an empty plastic bottle stuffed with plastic wrappers and polythene. The inmates would be paid Rs 4 per 1 litre bottle.

This is a joint initiative of city-based organisations – 'Unfold Foundation, 'Childcare Welfare Society', 'Agra Vikas Manch' and the district jail administration. It will help jail inmates beat stress and encourage them to make more such bottles, so that they can earn money.

On Sunday, about 15 inmates participated in a workshop on eco bricks organised by 'Unfold Foundation' and 'Childcare Welfare Society'. Those interested will be trained regularly to make eco bricks. "To train district jail inmates, we have taken up this initiative with the help of district jail, 'Agra Vikas Manch' and 'Childcare Welfare Society'. They would also be paid for their work," said Dr Meeta Kulshreshtha, coordinator of 'Unfold Foundation'.

"The 'eco brick' is made of empty plastic bottles filled with packing material and polythene. The bottle is sealed and made air tight. After that, the bottles become rock solid and remain strong for years," she added.

"We have also made an 'eco bench' in the city park with 300 'eco brick' bottles in which 60 kg of plastic waste was used. In the days to come, we will also make walls, toilets, stairs and drains with the help of eco bricks," said Kulshreshtha.

Shashikant Mishra, superintendent of district jail, said: "This initiative would help district jail premises become plastic and polythene free."

"Agra Vikas Manch will pay Rs 4 per 1 litre bottle to the inmates and Rs 5 for bottles more than one litre," said Ashok Jain, president of Agra Vikas Manch.

YOGESH DUBEY

Members of social organisations with jail inmates and officials during a workshop on eco bricks at district jail, on Sunday. SOURCED

A girl with

24th February 2019

सोमवार, 25 फरवरी 2019
हिन्दुस्तान
03

जिला कारागार हो जाएगा प्लास्टिक प्रदूषण से मुक्त

आगरा | कार्यालय संवाददाता

आगरा विकास मंच, ईको ब्रिक्स द्वारा अनफोल्ड फाउंडेशन के सहयोग से जिला कारागार आगरा में प्लास्टिक प्रदूषण से बचने हेतु इको ब्रिक बनाने की कार्यशाला शुरू की गई। प्लास्टिक की बोतलें एवं वेस्ट प्लास्टिक सामग्री से ईको ब्रिक बनाने पर कैदियों को धन अर्जन करने का मौका भी मिलेगा।

रविवार को जिला कारागार में डॉक्टर मीता, पूनम लाहोटी ने जिला कारागार सुपरिंटेंडेंट शशिकांत मिश्र, आगरा विकास मंच के अध्यक्ष अशोक जैन सीए, संदेश जैन, सुशील जैन के साथ कार्यशाला का शुभारंभ किया।

जिला कारागार में वेस्ट प्लास्टिक की बोतलें एवं वेस्ट प्लास्टिक सामग्री से ईको ब्रिक बनाए जाएगा। जिला कारागार के 10 महिला एवं 15 पुरुष कैदियों को ईको ब्रिक बनाना सिखा दिया गया है। आगरा विकास मंच के अध्यक्ष अशोक जैन सीए ने कार्यशाला में बताया कि प्रत्येक कैदी को छोटी बोतल से ईको ब्रिक बनाने के लिए चार रुपये और बड़ी बोतल से इको ब्रिक्स पांच रुपये मिलेंगे। चेक द्वारा जिला कारागार अधीक्षक के खाते में पैसे का भुगतान किया जाएगा। जिला जेल अधीक्षक शशिकांत मिश्र ने पर जेल सुपरिंटेंडेंट शशिकांत मिश्र, डॉ. मीता कुलश्रेष्ठ, पूनम लाहोटी मौजूद रहे।

ईको ब्रिक्स के प्रशिक्षण के दौरान कैदी, साथ हैं जेल प्रशासन व संस्था के सदस्य।

Prisoners learn to make bricks from plastic bottles

Deepak.Lavania@timesgroup.com

Agra: Prisoners of Agra District Jail will now create "eco bricks" by stuffing PVC (polyvinyl chloride) bottles with ploythene and other discarded pieces of plastic. These bricks will be used to build benches and toilets in parks.

On Sunday, members of the citizen group "Agra Vikas Manch" and the non-government organization (NGO) "Unfold foundation" demonstrated preparation of eco bricks to the inmates of Agra district jail.

Talking to TOI, superintendent of Agra district jail, Shashikant Mishra said, "Prisoners are excited to know about an innovative way to reuse plastic and have assured us of their participation in the project. Ten women and 15 men inmates learnt to make eco bricks out of empty cold drink and mineral water bottles at a workshop organized by a team of environment activists and social workers on Sunday. Besides a smart use of plastic, the initiative will also play a crucial role in reforming prisoners."

Eco-bricks can be prepared by stuffing any empty PVC bottle with dry polythene, plastic pieces and packing material

President of Agra Vikas Manch and city-based philanthropist Ashok Jain said, "We have made a contract with the administration of the district jail of Agra to support the eco brick project. We will pay Rs 4 for every eco-brick made using one liter PVC bottle and Rs 5 for those made using 2 liter bottles. The funds will distributed among prisoners on the basis of their contribution."

Social worker Poonam Lahoti said, "Prisoners are also human beings and loneliness causes them mental stress. They were happy to have an opportunity to contribute towards the conservation of the environment."

Coordinator of the Unfold foundation and city-based surgeon Dr Meeta Kulshrestha said, "Plastic is a non-biodegradable substance. It harms the environment and human beings alike. Through the eco-brick project, we are trying to curb plastic menace. Eco-bricks can be prepared by stuffing any empty PVC bottle with dry polythene, plastic pieces and packing material. The bottle becomes rock solid after it is sealed air-tight and can stay the same for over 500 years."

She added, "We have recently set up a bench at Lajpat Nagar park using 300 eco-bricks. Other parks of the city will also be covered under the project. Eco-bricks can also be used to develop toilets, stairs, drains, tree guards etc." Social workers Sandesh Jain and Sunil Jain have appealed people to donate waste plastic bottles, so that they can be converted into eco-bricks.

26th February 2019

Eco-Brick workshop at Gandhi Adarsh Kanya Vidhyalay 150 kids Dr Dhawan, Mrs Lahoti run by Mrs Vatsala Prabhakar

26th February 2019

27th February 2019

Eco-Brick workshop at Holy Public School (boys section) at Delhi Gate

Dr. Alka, Dr. Poonam.

1st March 2019

Eco-Brick & Plastics at
Surya Nagar Park.
Dr. Alka.

12th March 2019

Eco-Brick workshop at
Gwalior

Hand washing program. At Anumantram Kanyakulam Dr. Alka, Dr. Dhawan, Dr. Meeta & Dr.Neelam

16th March 2019

24th March 2019

Eco-Brick workshop at unfold Faridabad Dr. Neeta Dhabai Dr. Meeta, Mrs. Poonam Kundra with S. O. S village kids.

25th March 2019

Sexual abouse workshop.

At Anumantram

Kanyakulam

Dr. Alka Kapoor

2nd April 2019

St. Francis School unit 1. 200 kids. Eco-Brick workshop.

29th April 2019

Handing over of 1250/- Eco-Brick by District Jail authority to ‘Agra Vikas Manch inmates paid Rs5/- per Eco-Brick. E-Brick used to construct a wall Ramlal Vradh- Ashram

Prisoners learn to make bricks from plastic bottles

Deepak.Lavania@timesgroup.com

Eco-bricks can be prepared by stuffing any empty PVC bottle with dry polythene, plastic pieces and packing material

Agra: Prisoners of Agra District Jail will now create "eco bricks" by stuffing PVC (polyvinyl chloride) bottles with ploythene and other discarded pieces of plastic. These bricks will be used to build benches and toilets in parks.

On Sunday, members of the citizen group "Agra Vikas Manch" and the non-government organization (NGO) "Unfold foundation" demonstrated preparation of eco bricks to the inmates of Agra district jail.

Talking to TOI, superintendent of Agra district jail, Shashikant Mishra said, "Prisoners are excited to know about an innovative way to reuse plastic and have assured us of their participation in the project. Ten women and 15 men inmates learnt to make eco bricks out of empty cold drink and mineral water bottles at a workshop organized by a team of environment activists and social workers on Sunday. Besides a smart use of plastic, the initiative will also play a crucial role in reforming prisoners."

President of Agra Vikas Manch and city-based philanthropist Ashok Jain said, "We have made a contract with the administration of the district jail of Agra to support the eco brick project. We will pay Rs 4 for every eco-brick made using one liter PVC bottle and Rs 5 for those made using 2 liter bottles. The funds will distributed among prisoners on the basis of their contribution."

Social worker Poonam Lahoti said, "Prisoners are also human beings and loneliness causes them mental stress. They were happy to have an opportunity to contribute towards the conservation of the environment."

Coordinator of the Unfold foundation and city-based surgeon Dr Meeta Kulshrestha said, "Plastic is a non-biodegradable substance. It harms the environment and human beings alike. Through the eco-brick project, we are trying to curb plastic menace. Eco-bricks can be prepared by stuffing any empty PVC bottle with dry polythene, plastic pieces and packing material. The bottle becomes rock solid after it is sealed air-tight and can stay the same for over 500 years."

She added, "We have recently set up a bench at Lajpat Nagar park using 300 eco-bricks. Other parks of the city will also be covered under the project. Eco-bricks can also be used to develop toilets, stairs, drains, tree guards etc." Social workers Sandesh Jain and Sunil Jain have appealed people to donate waste plastic bottles, so that they can be converted into eco-bricks.

कैदियों को दिया ईको बिक्र बनाने का प्रशिक्षण

आगरा। आगरा विकास मंच और अनफोल्ड फाउंडेशन की ओर से जिला कारागार में 25 कैदियों को ईको ब्रिक्स बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। इससे कैदियों को रोजगार मिलेगा और प्लास्टिक की समस्या से भी निजात मिलेगा। संस्था कैदियों को छोटी बोतल पर चार रुपये और बड़ी बोतल को ईको ब्रिक्स बनाने पर पांच रुपये का भुगतान किया जाएगा। जिला कारागार अधीक्षक शशिकांत मिश्रा से अनुबंध भी किया है। मंच अध्यक्ष अशोक जैन सीए ने कहा कि ईको ब्रिक्स अभियान रंग लाने लगा है। इससे पर्यावरण की रक्षा होगी, प्लास्टिक बोतलों का उपयोग भी हो सकेगा। संरक्षक हरिविजय वाहिया, डॉ. मीता कुलश्रेष्ठ, पूनम लोहाटी, जेलर एके सिंह, संदेश जैन, सुशील जैन रहे।

29th April 2019

आगरा विकास मंच, अनफोल्ड फाउंडेशन एवं जिला कारागार द्वारा जेल कैदियों द्वारा निर्मित 1250 इको ब्रिक्स की सुपुर्दगी लेते एवं धन राशि का चेक जेल अधीक्षक शशिकांत मिश्रा को भेंट करते आगरा विकास मंच अध्यक्ष अशोक जैन सीए, अनफोल्ड फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉक्टर मीता कुलश्रेष्ठ ,सचिव अलका कपूर ,मंच मंत्री सुशील जैन, डिप्टी जेलर रामरतन यादव ,रामलाल आश्रम के बॉबी शर्मा ,निखिल सिंह एवं अन्य ।

4th May 2019

Prelude public school.
250 kids, Eco-Brick workshop.

वर्षों पुरानी धार्मिक परंपराओं में बदलाव करना चाहिए। समाज को अपने स्तर पर बुर्का पहनने पर रोक लगानी चाहिए। मेयर के इस बयान की मुस्लिम समाज के लोगों ने कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि यह मुस्लिमों का निजी मामला है और धार्मिक परंपरा पर पबंदी लगाना गलत है।

भारतीय जनता पार्टी खुद अपनी रैली में बुर्का पहना कर महिलाओं लेकर जाते हैं। ताकि मुस्लिम वोट बैंक बढ़ सके। भाजपा मेयर इस बयान को देते हैं। यह गलत है। मुस्लिम म

शमी आगाई, राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय मुस्लिम विकास परिषद

इस्लामी तहजीब का लिबास है। यह शरीयत में बताया गया है। मेयर शरीयत नहीं जानते हैं। उन्होंने यह बयान गलत दिया है। इस संबंध में मुस्लिम समुदाय बैठकर उनके बयान का विरोध करेगा।

डॉक्टर. सिराज कुरैशी, अध्यक्ष, हिंदुस्तानी बिरादरी

बच्चों की छुपी प्रतिभा सामने लाना बताया। इस दौरान डॉली धीर, साधना, भारती आदि मौजूद रही। (जासं)

आगरा : दयालबाग स्थित प्रिल्यूड पब्लिक स्कूल में शनिवार को विशेष कार्यशाला हुई। इसमें बच्चों को पुस्कीय ज्ञान के साथ व्यवहारिक ज्ञान भी सिखाया गया। अन्फोल्ड एजूकेशन सोसायटी के सचिव व स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. अलका कपूर ने बच्चों को प्लास्टिक प्रदूषण दूर करने के लिए इको ब्रिक बनाने का तरीका सिखाया। इस दौरान स्कूल निदेशक डॉ. सुशील गुप्ता, श्याम बंसल, प्रधानाचार्य याचना चावला आदि मौजूद रहे। (जासं)

10th May 2019

St. Mary's Schoo
Dr. Alka + Puja
Agrawal. Eco-
Bricks workshop

12th May 2019

Ram-Krishna School Plastic & Eco-Brick. Dr. Poonam +Dr. Meeta

21st May 2019

Health hazard of plastic, Eco-Brick workshop at D. P. S sikandra, Mrs Puja, Mrs. Rashmi Sinha, Dr. Meeta.

21st May 2019

‘HAPPY 4TH BIRTHDAY UNFOLD’ At Dr. Meeta’s residence fun, games & food, all members & all unfold kids.

21st May 2019

25th May 2019

Eco-bricks workshop Ek Pahal NGO

28th May 2019

Menstrual- Hygiene day – Talk by Dr. Alka, Mrs. Rashmi, Mrs. Lahoti, Neena Singhal, 75 girls at Nagla Budi

विश्व माहवारी दिवसर पर माहवारी से संबंधित विस्तृत जानकारी

चाइल्ड केअर वेलफेयर सोसायटी और अन्फोल्ड फाउंडेशन की ओर से विश्व माहवारी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मौजूद महिलाएं, युवतियां एवं संस्था की पदाधिकारी। Photo-DLA

DLA News

आगरा। चाइल्ड केअर वेलफेयर सोसायटी और अन्फोल्ड फाउंडेशन ने मंगलवार को विश्व माहवारी दिवस पर करीब 90 महिलाओं को माहवारी के संबंद्ध में विस्तृत जानकारी दी। अन्फोल्ड की सचिव डॉ. अलका कपूर ने महिलाओं को बताया कि माहवारी के समय में होने वाली तकलीफों से किस तरह से बचा जा सकता है? उन्होंने बताया कि हर महिला को शारीरिक और मानसिक रूप के प्रबल बनना पड़ेगा। तभी वो अपने अधिकारों के लिए दृढ़ता पूर्वक संघर्ष कर पाएंगी। चाइल्ड केअर वेलफेयर की अध्यक्ष नीना सिंघल ने बताया कि स्त्रियों को होने वाली माहवारी ईश्वर की तरफ से दिया हुआ वरदान है। अन्फोल्ड की मेंबर रश्मि सिन्हा ने सभी महिलाओं को पैड्स वितरित किये। उपस्थित सभी महिलाओं इस संबंध में प्रश्न पूछे और सही जानकारी ली। कार्यक्रम में सचिव पूनम लाहोटी, भव्य भाटिया, पूजा, उषा उपस्थित रहीं।

स्कूल में बच्चियों को किया गया जागरूक

जासं, आगरा : पूर्व माध्यमिक कन्या विद्यालय ईदगाह में माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा 'स्वस्थ महिला स्वस्थ समाज' के तहत जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्था द्वारा विद्यालय में एक सेनेटरी पेड वैंडिंग मशीन दी गई ताकि सभी बच्चियां अपने मासिक धर्म के समय स्वस्थ व सुरक्षित रहें। बच्चियों को मासिक धर्म की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाध्यापिका निधि श्रीवास्तव, मुख्य अतिथि संजीव शर्मा, मुहम्मद फैसल, राजवीर रहे, माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्ष हेमलता गांधी, कामना गांधी, मंजू काहल्या, कांता गगरानी आदि मौजद रहे।

पूर्व माध्यमिक कन्या विद्यालय ईदगाह में बच्चियों के साथ मौजूद माहेश्वरी मंडल की पदाधिकारी • जागरण

5th June 2019

2 programs sikandra-Bodla Doctors association talk on plastics & Eco-brick Dr. Meeta, Dr. Poonam, Puja Agrawal.

World environment day

5th June 2019

Talk by Dr. Alka at Palwal Park organized by I. M. A. Agra.
World environment day

21st June 2019

Horti culture club Eco-Brick workshop by Dr. Meeta, Dr. Preeti Agrawal, Mrs Lovely Kathuria

Eco-Briks workshop Nagla boodi,
Mrs. Puja Agrawal.

28th June 2019

8th August 2019

Eco-Brick workshop at Inner-wheel club Agra Dr. Poonam, Mrs. Lahoti.

8th August 2019

ईको ब्रिक्स बनाना सिखाया

इनरव्हील क्लब ऑफ आगरा रॉयल की मीटिंग के दौरान अनफोल्ड फाउंडेशन से आई पूनम धवन ईको ब्रिक बनाने की जानकारी देती हुईं। साथ हैं पूमन लाहोटी एवं इनरव्हील की अध्यक्ष सोनिया माथुर एवं अन्य पदाधिकारी।

DLA News

आगरा। इनरव्हील क्लब ऑफ आगरा रॉयल की मीटिंग संजय प्लेस स्थित एक होटल में आयोजित हुई। इसमें हरियाली तीज, स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन और जन्माष्टमी सभी त्योहारों को सदस्याओं ने गेम्स और तंबोला के रूप में मनाया। आगे होने वाले सामाजिक कार्यों पर भी चर्चा की गई।

घर का कूड़ा बाहर भी न जाए और उसको किसी काम में लेकर पर्यावरण को दूषित होने से बचाया जा सके, इसके तहत ईको ब्रिक बनाना सिखाया गया। अनफोल्ड फाउंडेशन से आई सदस्यों ने ब्रिक्स बनाना सिखाया। इनर व्हील की अध्यक्ष सोनिया माथुर ने बताया कि सात अगस्त को अलीगढ़ में इंटरसिटी मीट थी, जिसमें पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित हुई। इसमें क्लब को डिस्ट्रिक्ट की ओर से द्वितीय प्राइज मिला। बैठक में अध्यक्ष सोनिया माथुर, सचिव रूपाली जैन, कोषाध्यक्ष रेशमा गुप्ता, निधि बंसल, अदिति सिंघल, रंजना माहेश्वरी, मोना, अंजली, शोभा, नीता, डॉ. रिचा, रश्मि सिंघल, रजनी अरोड़ा, अलका गुप्ता, अनीता सिंह, पूनम माथुर, नीलम, पूजा गुप्ता, प्रीति, रिचा गोयल, सीमा सिंघल, अर्चना और सपना गुप्ता मौजूद रहीं।

हरियाली तीज मनाई : वनिता विकास संस्था ने गुरुवार को तुलसीदास जयंती व हरियाली तीज कार्यक्रम मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ तुलसीदास की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। यहां डॉ. सुमन बंसल, वीना भटेले, डॉ. शशि तिवारी, श्रुति सिन्हा, डॉ. सुषमा सिंह, डॉ. कमलेश नागर, पुष्पा, मीनू, करुणा आदि मौजूद रहीं • वि.

आगरा : इनर व्हील क्लब ऑफ आगरा रॉयल की मीटिंग संजय प्लेस स्थित एक होटल में हुई। इसमें तीज रक्षा बंधन, जन्माष्टमी सभी त्योहारों को संगठन की सदस्यों ने तंबोला व अन्य प्रकार के खेल-खेलकर मनाए। आगामी कार्यों के बारे में चर्चा की गई। बैठक में ईको ब्रिक बनाना भी सिखाया गया, जिससे कूड़ा भी किसी काम आ से और पर्यावरण को इससे होने वाला नुकसान बंद हो। सोनिया माथुर, रूपाली जैन, रेशमा गुप्ता, निधि बंसल, अदित सिंघल, रंजना माहेश्वरी, मोना, अंजली, शोभा, नीता, डॉ. रिचा आदि मौजूद रहीं • वि.

फिर रिलीज नहीं हो पाती है। लंबे समय बाद के कारण उनमें ताजगी नहीं होती है। यही 'तड़का' का। मलयालम फिल्म 'साल्ट एन रीमेक 'तड़का' की शूटिंग 2016 में शुरू फिल्म पूरी नहीं हो पाई। तीन वर्षों बाद के प्रमोशनल गाने के रिलीज होने से फि अर्चीमत है। प्रकाश राज द्वारा निर्देशित पाटेकर, अली फजल और तापसी प अली और तापसी इस फिल्म का प्रमो बिल्कुल नजर नहीं आ रहे हैं। अ चुके हैं, अब तापसी ने भी उनके सु सूत्रों की मानें तो तापसी फिल्म क इसकी जो वजहें सामने आई हैं,

पत्नी के निर्देशन

बॉलीवुड की महिला निर्दे सीमा पाहवा का नाम 'अर्जुन पटियाला', ' लड़की को देखा तो ऐ सावधान' जैसी फिल चुकीं सीमा फिल्म

Tree Plantation drive July to September 2019

Tree plantation drives Nearly 5000 trees at various parks, colonies, road-sides, schools, colleges & also with other N. G. O.'s & art of living members.

Tree Plantation drive July to September 2019

St. Francis school Unit 2 Eco-Brick workshop classes

3rd to 8th.

30th August 2019

प्लास्टिक कचरे से बनेंगी सड़कें

नई दिल्ली | अरविंद सिंह

सरकार ने पर्यावरण के लिए खतरा बने प्लास्टिक कचरे का हाईवे निर्माण में इस्तेमाल करने का प्रयोग पहले ही शुरू कर दिया है। इसकी सफलता के बाद अब अन्य राजमार्ग परियोजनाओं में इसका इस्तेमाल किया जाएगा। इससे सस्ते, मजबूत और टिकाऊ राष्ट्रीय राजमार्ग बनेंगे। वहीं, शहरों और कस्बों में प्लास्टिक कचरे से मुक्ति मिलेगी।

सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि तमिलनाडु राज्य के टिंडीवनम-उलुदुंरपेट (राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 45) में 10 किमी सेक्शन में प्लास्टिक कचरे का प्रयोग किया है। यह पहला पायलट प्रोजेक्ट था। इसकी सफलता के बाद मंत्रालय अब दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे में ठोस कचरे व अन्य राजमार्ग परियोजनाओं में प्लास्टिक कचरे का इस्तेमाल बढ़ाने का प्रयास तेज कर दिया है।

किरण रिजीजू, खेलमंत्री

प्लास्टिक बैग, का
2 अक्तूबर से नही

नई दिल्ली। सरकार प्ला
खिलाफ अभियान में जुट
कड़ी में 2 अक्तूबर से सि
प्लास्टिक के छह उत्पादों
पूरी तरह से प्रतिबंध लगा
प्लास्टिक बैग, कप, प्लेट
स्ट्रॉ और कुछ चुनिंदा प्र
प्रतिबंध लगेगा। यानी सि
नहीं बल्कि इनका निर्माण

3rd September 2019

St. John’s College department of botany. Eco-Bricks & plastics, Dr. Meeta, Mrs. Puja Agrawal.

3rd September 2019

प्लास्टिक का कम से कम उपयोग करें: डॉ. मीता

सेंट जोंस कॉलेज में 'हेजाड्र्स ऑफ प्लास्टिक एंड सॉल्यूशन्स' विषय पर कार्यशाला

अमर उजाला ब्यूरो

हेजाड्र्स ऑफ प्लास्टिक एंड सॉल्यूशन्स' विषय पर कार्यशाला को संबोधित करतीं डॉ. मीता कुलश्रेष्ठ (बाएं) और मौजूद लोग। अमर उजाला

आगरा। सेंट जोंस कॉलेज के वनस्पति विज्ञान विभाग में बॉटनीकल सोसाइटी की ओर से 'हेजाड्र्स ऑफ प्लास्टिक एंड सॉल्यूशन्स' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। डॉ. मीता कुलश्रेष्ठ ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को प्लास्टिक का कम से कम उपयोग करने के लिए प्रेरित किया।

डॉ. मीता ने कहा कि प्लास्टिक वेस्ट को रिसाइकिल कर इसे उपयोग में लाया जा सकता है। इसकी आसान उपयोगिता इको-ब्रिक्स के रूप में हो सकती है। विभागाध्यक्ष डॉ. सैमुअल गार्डन सिंह ने विषय पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम में डॉ. मंजुला थॉमस, डॉ. मनोज पॉल, डॉ. साक्षी वॉकर, डॉ. रोहन डिसूजा की मौजूदगी रही।

प्रदूषण रोकने के लिए जन जागरूकता जरूरी: प्रो. अजय तनेजा

आगरा। केमिकल सोसाइटी, सेंट जोंस कॉलेज आगरा की ओर से मंगलवार को व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के प्रो. अजय तनेजा ने 'पर्यावरण संरक्षण पर भारत के विजन 2020' पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि इंडोर और आउटडोर दोनों तरह के प्रदूषण खतरनाक हैं। इन्हें रोकने के लिए जन जागरूकता बहुत जरूरी है। प्रयोगशाला में ग्रीन केमेस्ट्री और माइक्रो एनालिसिस के माध्यम से प्रदूषण कम किया जा सकता है। प्राचार्य प्रो. एसपी सिंह, डॉ. सुसान वर्गीस, डॉ. गिरीश माहेश्वरी, डॉ. सैमुअल गार्डन, डॉ. प्रवीण त्यागी की मौजूदगी रही। ब्यूरो

ईको ब्रिक्स के रूप में हो सकता है प्लास्टिक का इस्तेमाल

जागरण संवाददाता, आगरा : सेंट जोंस कॉलेज के वनस्पति विज्ञान विभाग में हैजर्ड ऑफ प्लास्टिक एंड सॉल्यूशन विषय पर कार्यशाला हुई।

मुख्य वक्ता डॉ. मीता कुलश्रेष्ठ ने प्लास्टिक का कम उपयोग करने पर जोर दिया। इसी के साथ प्लास्टिक का सही दिशा में प्रबंधीकरण व वेस्ट को री-साइकिल कर उसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वर्तमान में इसकी अत्याधिक एवं आसान उपयोगिता ईको ब्रिक्स के रूप में प्रचलित की जा सकती है।

विभागाध्यक्ष डॉ. सैमुअल गोर्डन ने प्लास्टिक से हो रहे प्रदूषण पर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस विषय पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। छात्र-छात्राओं ने भी अपने विचार रखे। डॉ. मंजुला थॉमस, डॉ. मनोज पाल, डॉ. साक्षी, डॉ. रोहन आदि उपस्थित रहे।

लखनऊ: राजभवन में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से मिलने पहुंचे बिहार के राज्यपाल फागू चौहान। (छाया: पंजाब केसरी)

उत्तर प्रदेश पंजाब केसरी
Regional Supplement of Punjab Kesari, Delhi
2 सितम्बर, 2019, सोमवार

हाथ में मिली पॉलीथिन तो होगी छह माह की कैद

या फिर एक लाख रुपया जुर्माना : प्रदेश के शहरों में पॉलीथिन, प्लास्टिक व थर्माकोल के खिलाफ बड़ा अभियान चलेगा

लखनऊ, (एजैंसी): पर्यावरण को बेहद ही दूषित करने वाले प्लास्टिक और उससे बने सामान पर प्रतिबंध लगाने के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने सख्ती बढ़ा दी है। उत्तर प्रदेश में आज यानी एक सितंबर से प्लास्टिक और उससे बने सामान पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसके इस्तेमाल करने पर एक लाख रुपया जुर्माना और छह महीने जेल की सजा का प्रावधान है। प्रदेश के शहरों में पॉलीथिन, प्लास्टिक व थर्माकोल के खिलाफ रविवार से बड़ा अभियान चलेगा। जिलों में गठित टास्क फोर्स इस पर निगाह रखेगी। पॉलीथिन के साथ ही प्लास्टिक व थर्माकोल के बर्तनों का इस्तेमाल करना या इसे सड़क पर इधर-उधर फेंकने वालों के खिलाफ भी अभियान चलेगा। ऐसा करते पकड़े जाने पर तुरंत ही मौके पर जुर्माना भरना होगा। इसके लिए डीएम की सीधी जवाबदेही होगी। जिलाधिकारियों को इसका कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं।

नगर विकास विभाग के प्रमुख सचिव मनोज कुमार सिंह ने कहा कि 50 माइक्रोन से पतली पॉलीथिन प्रतिबंधित है। इसके साथ ही एक बार इस्तेमाल होने वाले थर्माकोल के कप, गिलास, प्लेट व चम्मचों की बिक्री व इस्तेमाल पर प्रतिबंध है। सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि टास्क फोर्स बनाकर रविवार से इस पर कड़ाई से प्रतिबंध लगाया जाए। जहां टास्क फोर्स नहीं है वहां पर तत्काल इसे बनवाया जाए। जिससे कि प्रतिबंध कारगर हो। उत्तर प्रदेश सरकार की इस सख्ती के बाद भी अगर कोई 50 माइक्रोन से पतली प्लास्टिक से कम के उत्पादों का इस्तेमाल करते पाया गया तो उसको बेहद कड़ी सजा मिलेगी। अगर कोई पॉलीबैग के साथ पकड़ा गया तो एक लाख रुपये तक जुर्माना और छह महीने जेल की सजा होगी। इतना ही नहीं, इसी बिक्री पर भी बेहद सख्ती की गई है। अब कहीं भी प्रतिबंधित प्लास्टिक बिकता पाया गया तो संबंधित क्षेत्र के थानेदार व नगर निगम के क्षेत्रीय अधिकारी जिम्मेदार होंगे।

नियम का उल्लंघन हुआ तो इन लोगों पर होगी कार्रवाई :

गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव अवनीश अवस्थी ने साफ कहा कि अगर उत्तर प्रदेश के किसी भी क्षेत्र में प्रतिबंधित प्लास्टिक बेचे जाने की खबर मिली तो सम्बन्धित थानाध्यक्ष, नगर निगम के क्षेत्रीय अधिकारी, वाणिज्य कर के क्षेत्रीय अफसर और सम्बन्धित क्षेत्र के मजिस्ट्रेट एवं क्षेत्राधिकारी को संयुक्त रूप से जिम्मेदार मानते हुए उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिये कि वे सम्बन्धित मजिस्ट्रेट/क्षेत्राधिकारी से उनके क्षेत्र में पॉलीथीन की बिक्री रोकने के लिये समुचित कार्रवाई करने और बिक्री को पूरी तरह रोकने के बारे में तीन दिन के अंदर अपनी रिपोर्ट दें।

जिलों में गठित टास्क फोर्स इस पर निगाह रखेगी

- पॉलीथिन के साथ ही प्लास्टिक व थर्माकोल के बर्तनों का इस्तेमाल करना या इसे सड़क पर इधर-उधर फेंकने वालों के खिलाफ भी अभियान चलेगा।
- 50 माइक्रोन से पतली पॉलीथिन प्रतिबंधित है। इसके साथ ही एक बार इस्तेमाल होने वाले थर्माकोल के कप, गिलास, प्लेट व चम्मचों की बिक्री व इस्तेमाल पर प्रतिबंध है

शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने

धीमी विवेचना पर सीबीआई की विवेचक को कड़ी फट

उन्नाव में माखी दुष्कर्म कांड: अधिकारियों ने दस्तावेज मंगवाने के साथ ही बयान दर्ज

6th September 2019

Eco-Brick workshop at Achenara by IWC. Talk by Mrs. Poonam Lahoti.

इनर व्हील क्लब ऑफ आगरा रॉयल

DLA News

आगरा। इनर व्हील क्लब ऑफ आगरा रॉयल ने ग्राम सहता में एक कैंप लगाया और शिक्षक दिवस मनाया। क्लब की ओर से पूर्व माध्यमिक विद्यालय में बच्चों को स्वास्थ्य और सफाई के बारे में जानकारी दी गई। अनफोल्ड फाउंडेशन से आईं पूनम लाहोटी ने बच्चों को दैनिक कार्य में किस तरह सफाई रखें और स्वस्थ रहने के सुझाव दिए। पॉलीथिन से होने वाले नुकसान की भी जानकारी दी गई। बच्चों को हाइजीन किट दिए गए, इसमें साबुन, तौलिया, टूथपेस्ट, खाने की सामग्री वितरित की गई। गांव की महिलाओं और लड़कियों की समस्याएं सुनी गईं और उनका समाधान बताया गया। महिलाओं को सैनिटरी नैपकिन वितरित किए। टीचर्स डे के उपलक्ष्य में विद्यालय के शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर क्लब की अध्यक्ष सोनिया माथुर, रेशमा गुप्ता, नीलम, निधि बंसल, शशि सिंघल, गरिमा मंगल, नीता, अलका, सीमा सिंघल, अंजली मित्तल, डॉ. मनीषा, रिचा गोयल, अर्चना और ज्योति आदि मौजूद रहीं।

2nd October 2019

Hand washing and hygiene, 70 kids Kamlesh memorial school. Dr. Alka.

2nd October 2019

Eco-bricks workshop at Pir Kalyani.

प्लास्टिक वेस्ट से सिखाया ईको ब्रिक्स बनाना

जागरण संवाददाता, आगरा : अनफोल्ड फाउंडेशन की ओर से मंगलवार को आंगनबाड़ी प्रशिक्षण केंद्र, पीर कल्याणी में बच्चों को प्लास्टिक वेस्ट से उपयोगी वस्तुएं बनाना सिखाया गया। इनमें प्लास्टिक गुल्लक बनाना, ईको ब्रिक्स बनाना एवं अन्य उत्पाद बनाने की जानकारी दी गई। संस्था के सदस्यों ने बच्चों को बताया कि प्लास्टिक से उपयोगी वस्तुएं बनाकर प्लास्टिक कचरे से निजात पाई जा सकती है। इस अवसर पर संस्था की सदस्य डॉ. अलका कपूर, डॉ. मीता कुलश्रेष्ठ, पूनम कुंद्रे, पूनम धवन, पूजा अग्रवाल आदि मौजूद थी।

15th October 2019

World Hand washing day Bagh Farzana Parishadiya School Dr. Alka, Dr. Poonam Dhawan.

31st October 2019

Eco-Brick & plastic awareness workshop by unfold in collaboration with lions club Morena. D. M. of Morena, Mrs. Das also present.

31st October 2019

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

मध्यप्रदेश राजस्थान हरियाणा छत्तीसगढ़ महाराष्ट्र से प्रकाशित

वर्ष 13 ● अंक 229 ई-पेपर के लिए लॉगइन करें -www.hindustan express.online भोपाल, शनिवार 28 सितम्बर 2019 email - hindustanexpressbhopal@gmail.com मूल्य 1.50 रुपया, पृष्ठ 8

लॉयंस क्लब मुरैना समन्वय द्वारा प्लास्टिक को रिसाईक्लिंग करने का वर्कशॉप एक अनूठी पहल: कलेक्टर

हम सभी को प्लास्टिक का उपयोग छोड़ना होगा: डॉ. रितु राठी

-नगर संवाददाता-

मुरैना,27 सितम्बर। कलेक्टर प्रियंका दास ने कहा कि पर्यावरण को शुद्ध बनायें, प्लास्टिक हमारी जिन्दगी में घुस गई है। इसके लिये लॉयंस क्लब मुरैना समन्वय ने प्लास्टिक रिसाईक्लिंग करने का वर्कशॉप शुक्रवार को मुरैना जिले में शुरू किया है। यह एक अनूठी पहल है, इसको लोगों को समझना चाहिये और प्लास्टिक को दिल और दिमाग से हटाना चाहिये। यह बात उन्होंने एक निजी मैरिज गार्डन में अनफोल्ड फाउण्डेशन आगरा के सहयोग से लॉइंस क्लब मुरैना द्वारा आयोजित वर्कशॉप में सम्बोधित करते हुये कही। इस अवसर पर लॉइंस क्लब की अध्यक्ष डॉ. रितु राठी, नगर निगम कमिश्नर अमरसत्य गुप्ता, आगरा फाउन्डेशन के डॉ. मीना कुलश्रेष्ठ, एडवोकेट जे.पी. शर्मा, शिवपुरी से अशोक ठाकुर सहित नगर निगम, एन.आर.एल.एम, स्व-सहायता समूह आदि उपस्थित थे।

कलेक्टर प्रियंका दास ने कहा कि प्लास्टिक मनुष्य के दिल और दिमाग में है, हर व्यक्ति बाजार से घर गृहस्थी की सामग्री पॉलीथिन में लेकर आता है। इसे बदलना होगा और घर से थैला लेकर सामग्री लानी होगी। उन्होंने कहा कि अगर दुकानदार पॉलीथिन में सामग्री देता है तो उसे सामग्री लेने से मना करें, तो इस प्रकार का मैसेज अन्य दुकानदारों पर भी पहुंचेगा। इसे लोग गंभीरता से सीखें, जिससे आने वाले दिनों में प्लास्टिक कम करें। प्लास्टिक के आदी न हो और प्लास्टिक आगे उपयोग में न लावें।

कलेक्टर ने कहा कि लॉइंस क्लब द्वारा प्लास्टिक को रिसाईक्लिंग करने के बाद टेबल कुर्सी, स्टूल, दीवार बनाने का प्रशिक्षण दिया गया है, इसे लोग समझे और उपयोग होने वाली प्लास्टिक को रिसाईक्लिंग कर दैनिक उपयोग में सामग्री बनायें। आगे प्लास्टिक लेने से तौबा करें। उन्होंनें कहा कि बाढ़ पीड़ितों के लिये लॉइंस क्लब मुरैना के द्वारा जो सहयोग दिया जायेगा, उसके लिये लॉइंस क्लब धन्यवाद के पात्र है।

लॉइंस क्लब की अध्यक्ष डॉ. रितु राठी ने स्वागत भाषण में कहा कि मेरी रूचि स्वास्थ्य के प्रति है, हम सब आसपास का वातावरण स्वच्छ बनाने में प्लास्टिक का उपयोग न करें। क्योंकि प्लास्टिक मनुष्य एवं पशुओं के लिये जानलेवा है। उन्होंनें कहा कि प्लास्टिक के सेवन करने से भूमि में प्लास्टिक की परत जमती जा रही है। प्लास्टिक के जमने से आने वाले दिनों में पानी जमीन के अन्दर नहीं पहुंच पायेगा और हमें पानी उपलब्ध नहीं हो सकेगा। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अशोक ठाकुर ने कहा कि हम सभी को देश को पॉलीथिन मुक्त करना है। सामग्री बाजार से लाने के लिये थैला ले जाने की आदत डालें, यदि दुकानदार पॉलीथिन में सामग्री देता है तो उसे लेने से इन्कार करें। कार्यक्रम में अनफोल्ड फाउण्डेशन आगरा की नीता कुलश्रेष्ठ ने एल.ई.डी. के माध्यम से प्लास्टिक को रिसाईक्लिंग करने के बाद दैनिक उपायोग में वस्तु तैयार करने का प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर उन्होंनें कहा कि अनुपयोगी प्लास्टिक 9 प्रतिशत दुकानदारों द्वारा खरीदी जा रही है, 12 प्रतिशत जलाई जा रही है और 70 प्रतिशत प्लास्टिक लापता है। जो जमीन में परत दर परत जमती जा रही है।

3rd November 2019

Regional Conference of National Medicines Organization talk by Dr. Meeta & Mrs. Kundra on plastic +.

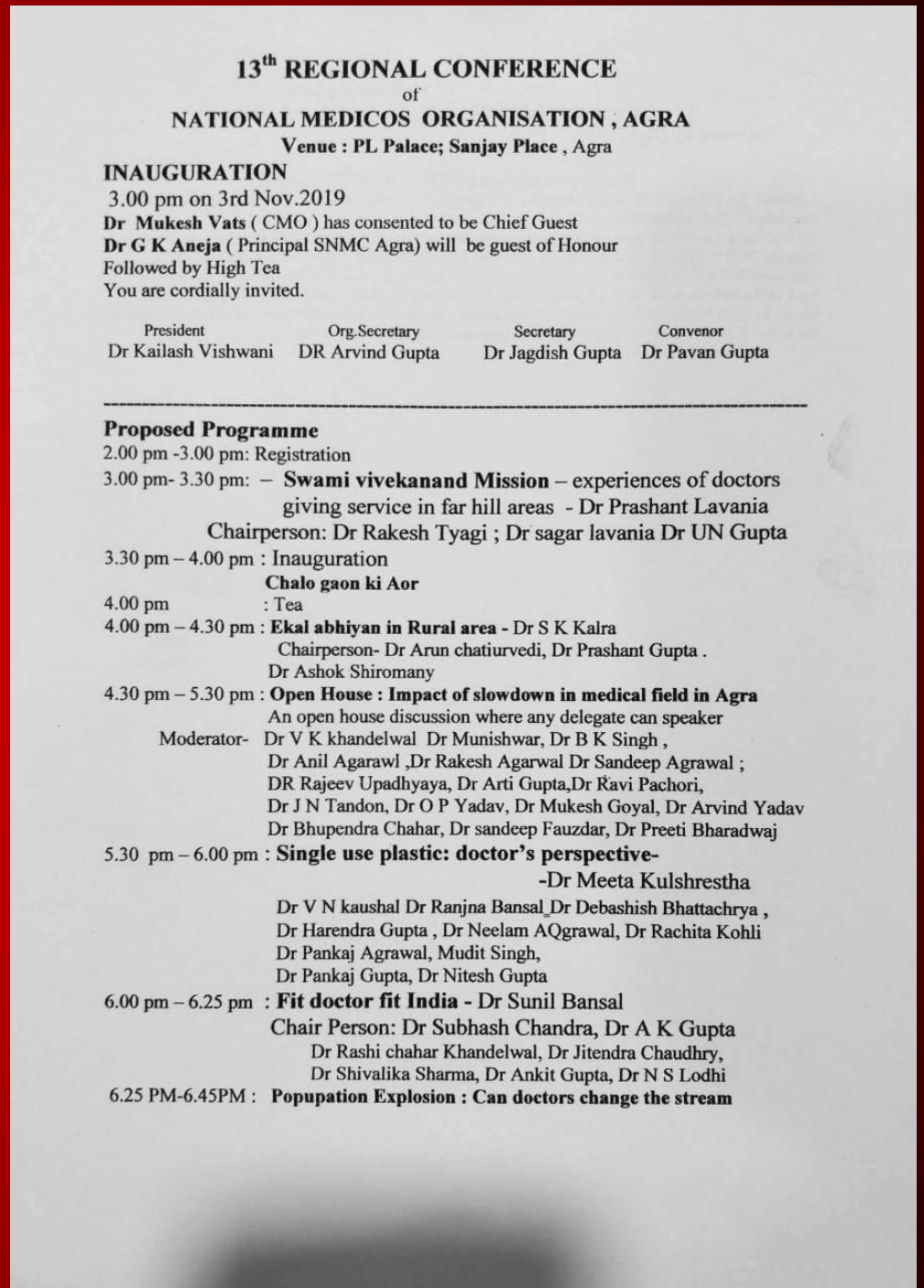

13th REGIONAL CONFERENCE
of
NATIONAL MEDICOS ORGANISATION , AGRA
Venue : PL Palace; Sanjay Place , Agra

INAUGURATION
3.00 pm on 3rd Nov.2019
Dr Mukesh Vats (CMO) has consented to be Chief Guest
Dr G K Aneja (Principal SNMC Agra) will be guest of Honour
Followed by High Tea
You are cordially invited.

President	Org.Secretary	Secretary	Convenor
Dr Kailash Vishwani	DR Arvind Gupta	Dr Jagdish Gupta	Dr Pavan Gupta

---

Proposed Programme
2.00 pm -3.00 pm: Registration
3.00 pm- 3.30 pm: – **Swami vivekanand Mission** – experiences of doctors giving service in far hill areas - Dr Prashant Lavania
Chairperson: Dr Rakesh Tyagi ; Dr sagar lavania Dr UN Gupta
3.30 pm – 4.00 pm : Inauguration
Chalo gaon ki Aor
4.00 pm : Tea
4.00 pm – 4.30 pm : **Ekal abhiyan in Rural area** - Dr S K Kalra
Chairperson- Dr Arun chatiurvedi, Dr Prashant Gupta .
Dr Ashok Shiromany
4.30 pm – 5.30 pm : **Open House : Impact of slowdown in medical field in Agra**
An open house discussion where any delegate can speaker
Moderator- Dr V K khandelwal Dr Munishwar, Dr B K Singh ,
Dr Anil Agarawl ,Dr Rakesh Agarwal Dr Sandeep Agrawal ;
DR Rajeev Upadhyaya, Dr Arti Gupta,Dr Ravi Pachori,
Dr J N Tandon, Dr O P Yadav, Dr Mukesh Goyal, Dr Arvind Yadav
Dr Bhupendra Chahar, Dr sandeep Fauzdar, Dr Preeti Bharadwaj
5.30 pm – 6.00 pm : **Single use plastic: doctor's perspective-**
-Dr Meeta Kulshrestha
Dr V N kaushal Dr Ranjna Bansal Dr Debashish Bhattachrya ,
Dr Harendra Gupta , Dr Neelam AQgrawal, Dr Rachita Kohli
Dr Pankaj Agrawal, Mudit Singh,
Dr Pankaj Gupta, Dr Nitesh Gupta
6.00 pm – 6.25 pm : **Fit doctor fit India** - Dr Sunil Bansal
Chair Person: Dr Subhash Chandra, Dr A K Gupta
Dr Rashi chahar Khandelwal, Dr Jitendra Chaudhry,
Dr Shivalika Sharma, Dr Ankit Gupta, Dr N S Lodhi
6.25 PM-6.45PM : **Popupation Explosion : Can doctors change the stream**

3rd November 2019

Regional Conference of National Medicines Organization talk by Dr. Meeta & Mrs. Kundra on plastic.

6 दैनिक जागरण आगरा, 4 नवंबर 2019

जिला आगरा/आसपास जागरण

डॉक्टर परेशान, ताजनगरी से दिल्ली रेफर हो रहे मरीज

चिकित्सकों से की गई ग्रामीण क्षेत्र में सेवा देने की अपील, एनएमओ के 13वें वार्षिक सम्मेलन में की गई चर्चा

जागरण संवाददाता, आगरा: डॉक्टर परेशान हैं, मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल और सुपर स्पेशलिस्ट क्लीनिक खुलने के बाद भी मरीज दिल्ली रेफर हो रहे हैं। इन मरीजों का सस्ती दर पर स्थानीय अस्पतालों में इलाज हो सकता है। मगर, ऐसा नहीं है। इसे लेकर नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन एनएमओ के 13 वें वार्षिक क्षेत्रीय अधिवेशन में चर्चा की गई।

होटल पीएल पैलेस में आयोजित समारोह में एनएमओ की थीम चलो गांव की ओर पर डॉ. प्रशांत लवानिया ने चर्चा की। उन्होंने बताया कि स्वामी विवेकानंद मिशन के अंतर्गत सुदूर पर्वतीय क्षेत्रों में चिकित्सकों द्वारा शिविर लगाए जा रहे हैं। उत्तराखंड में चार धाम यात्रा में बनाए गए अस्पतालों में चिकित्सक सेवाएं दे रहे हैं। डॉ. शमी कालरा ने एकल अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि फतेहपुर सीकरी के गांव को गोद लेकर एनएमओ द्वारा मरीजों को परामर्श दिया जा रहा है। उन्होंने चिकित्सकों से ग्रामीण क्षेत्र में चिकित्सकीय सेवाएं देने की अपील की। ओपन हाउस में आगरा से मरीजों के दिल्ली रेफर करने पर चर्चा की गई। इसमें चिकित्सकों ने कहा कि दिल्ली की तर्ज पर क्लीनिक और हॉस्पिटल में मेडिकल बोर्ड होना चाहिए। गंभीर मरीज के इलाज के लिए दो से तीन स्पेशलिटी के डॉक्टरों की टीम जांच करे, इसके बाद इलाज किया जाएगा। साथ ही डॉक्टर अपने मरीजों को स्थानीय अस्पतालों में ही रेफर करें, इसके लिए एक छत के नीचे सभी सुविधाएं देने वाले अस्पताल खुलने चाहिए। एसएन के प्राचार्य डॉ. जीके अनेजा ने 200 करोड़ से बनने जा रहे सुपर स्पेशलिटी विंग की जानकारी दी। एसएन के जूडा अध्यक्ष डॉ. भूपेंद्र चाहर ने जूनियर डॉक्टरों की तनाव भरी जिंदगी और तीमारदारों के साथ मारपीट के मामले कैसे कम किए जाएं, इसे लेकर चर्चा की। सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल ना करने, जनसंख्या नियंत्रण सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की गई। एनएमओ के अध्यक्ष डॉ. केके विधानी, आइएमए के अध्यक्ष डॉ. आरएम पचौरी, डॉ. पवन गुप्ता, डॉ. जेएन टंडन, डॉ. अरुण चतुर्वेदी, डॉ. वीएन कौशल, डॉ. वीके खंडेलवाल, डॉ. जगदीश गुप्ता डॉ. मीता कुलश्रेष्ठ, डॉ. ओपी यादव आदि मौजूद रहे।

समारोह को संबोधित करते जूडा अध्यक्ष डॉ. भूपेंद्र चाहर, मंचासीन पदाधिकारी • जागरण

डॉक्टर भी हैं अनफिट

फिट भारत के लिए डॉक्टर कितने फिट हैं, इस पर चर्चा की गई। डॉ. सुनील बंसल ने बताया कि डॉक्टरों की जीवनशैली बहुत खराब है। इससे वे मधुमेह, हृदय रोग के शिकार हो रहे हैं। उन्होंने आश्चर्य व्यक्त किया कि जब डॉक्टर ही फिट नहीं होंगे तो वह बीमार लोगों को कैसे स्वस्थ करेंगे।

एक नजर में

छात्रा से छेड़छाड़, जान से मारने की धमकी

आगरा: एत्माद्दौला क्षेत्र निवासी छात्रा को शोहदा छह महीने से परेशान कर रहा है। उस पर जबरन दोस्ती का दबाव बना रहा है। रविवार को आरोपित ने गौरव ने पीछा करके उसका रास्ता रोक लिया। उससे छेड़छाड़ करने लगा। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देकर भाग गया। छात्रा द्वारा घर शिकायत करने पर परिजनों ने शोहदे पर मुकदमा दर्ज कराया है। (जासं)

मलपुरा में दो पक्षों में जमकर

इलाज से मुकरने पर लगाया दुष्कर्म का आरोप

आग्निकांड के

8th November 2019

Hand washing Sarv Klyan Trust.

8th November 2019

World Diabetes Day. Unfold foundation along with IMA Dr. Meeta spoke about how plastic can cause diabetes & how one can avoid. Company bagh, cantonment.

14th November 2019

14th November 2019

Diabetes day

चाय पर चर्चा के साथ मधुमेह की होगी जांच

आगरा। आगरा डायबिटीज फोरम विश्व मधुमेह दिवस पर 14 नवंबर को सात सार्वजनिक स्थानों पर मधुमेह जांच का शिविर लगाएगी।

शिविर पालीवाल पार्क, खेलगांव दयालबाग, आवास विकास सेंट्रल पार्क, जयपुर अहिंसा पार्क, कंपनी गार्डन, महावीर पार्क कमला नगर और मंडी समिति ट्रांस यमुना कॉलोनी में सुबह साढ़े छह से साढ़े आठ बजे तक शिविर लगेंगे, यहां विशेषज्ञ चिकित्सक लोगों को बीमारी से बचाव और सावधानी के बारे में जागरूक करेंगे। सचिव डॉ. सुनील बंसल ने बताया कि 30-35 की उम्र के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। फोरम अध्यक्ष पद्मश्री डॉ. डीके हाजरा ने बताया कि प्री-डायबिटीज के मरीज भी तेजी से बढ़ रहे हैं। खानपान और दिनचर्या में सुधार से काफी हद तक इस बीमारी से बचा जा सकता है। ब्यूरो

14 नवंबर को सात सार्वजनिक स्थानों पर शिविर लगाए जाएंगे

13/Nov/19 Amar Ujala

THE MAKING & INSTALLATION OF BOTTLE GLOBE AT SURSADAN CHOURAHA

THE MAKING & INSTALLATION OF BOTTLE – GLOBE AT

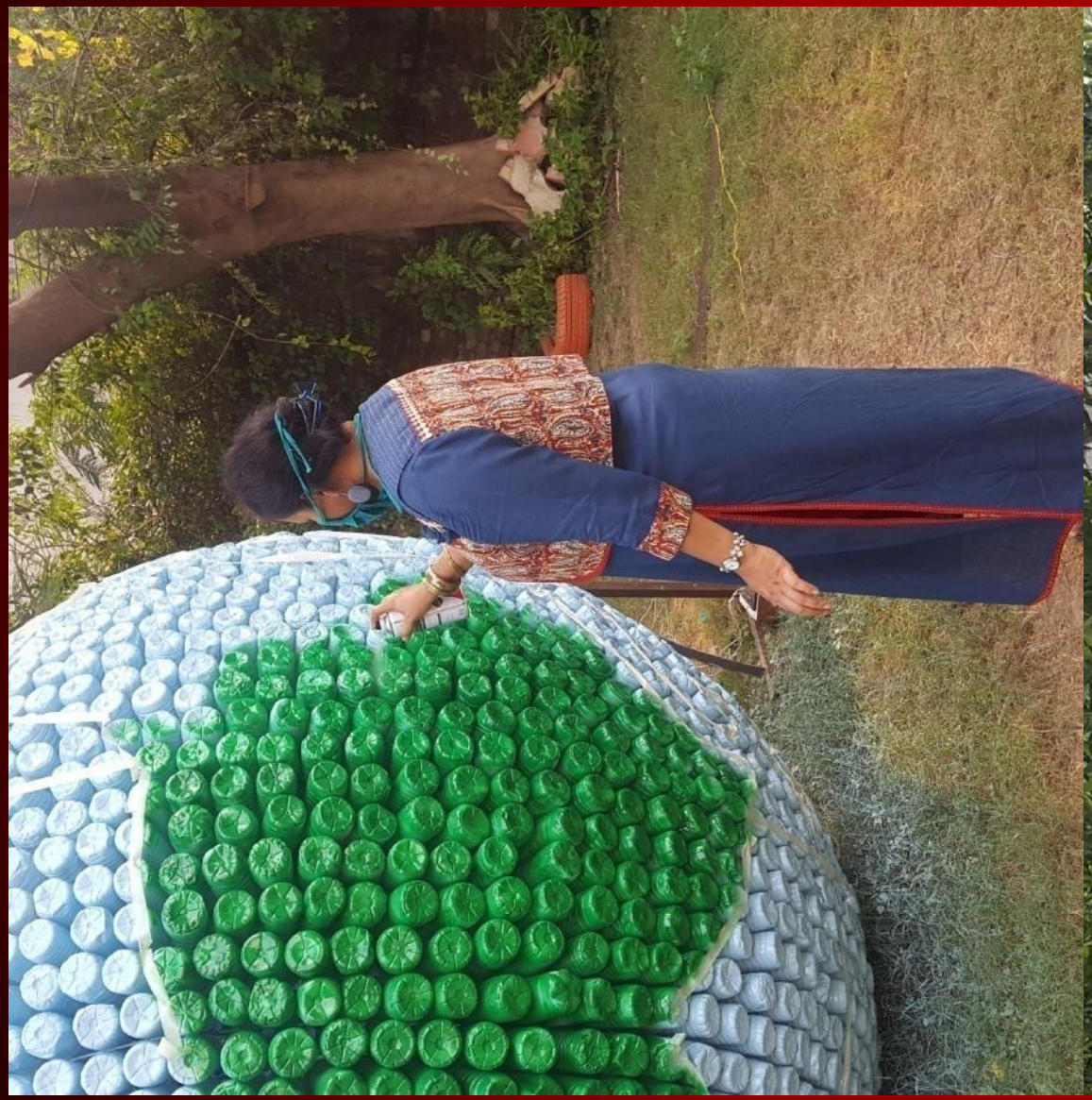

THE MAKING & INSTALLATION OF BOTTLE – GLOBE AT

THE MAKING & INSTALLATION OF BOTTLE GLOBE AT SURSADAN CHOURAHA 23rd November

प्लास्टिक की बोतल से बनाया विशाल ग्लोब

दसी एक्सप्रेस न्यूज

आगरा। अन्फोल्ड फाउंडेशन ने शहर में कई स्थानों पर प्लास्टिक के खिलाफ जागरूकता फैलाने व सन्देश देने को कुछ प्लास्टिक वेस्ट से निर्मित स्कल्पचर या आर्ट पीस स्थापित करने का निर्णय लिया है। इसके अन्तर्गत इस्तेमाल की गयी प्लास्टिक की बोतलों से एक बड़ा सा ग्लोब या पृथ्वी बनाने का निर्णय लिया, जिससे ये सन्देश जाये की यदि हम इन प्लास्टिक की बोतलों का इस्तेमाल कम नहीं करेंगे तो सारी पृथ्वी इन बोतलों से ढक जायेगी। प्रोजेक्ट में करीब तीन महीने लगे हैं। इसको फैब्रीकेटर, वेल्डिंग वालों की मदद से 11 फीट व्यास का आयरन फ्रेम तैयार किया, फिर करीब चार हजार बोतलों, होटल, रेस्टॉरिंट, निजी फंक्शन्स आदि से इकठ्ठा किया। उनको फ्रेम पर फिक्स किया। उसके बाद इस पर समुद्र और जमीन दर्शाते हुए पेंट किया और उस ग्लोब के अंदर लाइट भी लगायी, जिससे रात में भी ये जगमगाता रहे।

इस प्रक्रिया को दिल्ली गेट निवासी डॉ. संजय व मीता कुलश्रेष्ठ ने अंजाम दिया है। ग्लोब बनने के बाद इसे मेयर नवीन जैन के संज्ञान में लाया गया तो उनको ये ग्लोब, उसका सन्देश काफी पसंद आया। उन्होंने सुझाव दिया की ये सूरसदन तिराहे के लिए उपयुक्त रहेगा, जो कि अन्फोल्ड फाउंडेशन के सदस्यों ने सहर्ष स्वीकार किया। उन्होंने ग्लोब को शिफ्ट करने के लिए साधन जैसे क्रेन, बड़े वाहन आदि के लिए मेयर से मदद को कहा, जिसे उन्होंने नगर निगम की टीम को सहयोग करने का आश्वासन दिया।

THE MAKING & INSTALLATION OF BOTTLE – GLOBE AT

कृति

4000 प्लास्टिक की खाली बोतलों से बनाया ग्लोब, सूरसदन चौराहे पर किया जाएगा स्थापित

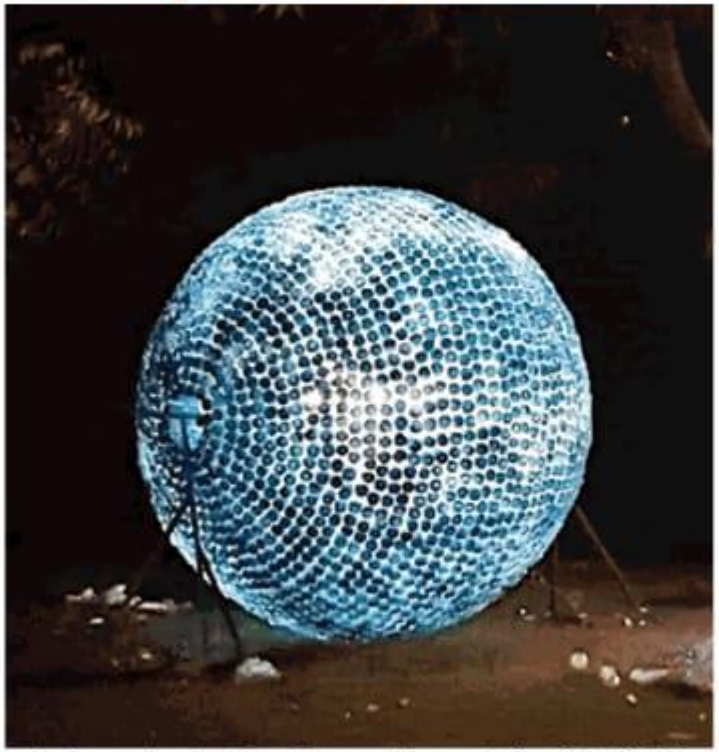

यह है ग्लोब आफ होप, जो प्लास्टिक के खिलाफ इसी तरह रात में भी अपनी रोशनी बिखेरेगा। इस ग्लोब को सूरसदन चौराहे पर स्थापित किया जा रहा है। इसे बनाने में अनफोल्ड फाउंडेशन द्वारा 4000 प्लास्टिक की खाली बोतलों का इस्तेमाल किया गया है। नगर निगम द्वारा इसमें लाइट की व्यवस्था की जाएगी • (अनफोल्ड फाउंडेशन द्वारा उपलब्ध फोटो)

वेस्ट प्लास्टिक से मिला 'ग्लोब ऑफ होप'

जासं, आगरा : बढ़ते प्लास्टिक कचरे ने सबको बेचैन कर दिया है। इसी प्लास्टिक कचरे से हमारी ताजनगरी एक नया आयाम स्थापित करने वाली है। प्रदूषण को बढ़ावा देने वाली प्लास्टिक की बोतलों को एक नए रूप में शहर की लाइफ लाइन कहे जाने वाले एमजी रोड पर सूरसदन चौराहे पर 'ग्लोब ऑफ होप' के रूप में स्थापित किया जाएगा। इस ग्लोब को शहर की एक संस्था अनफोल्ड फाउंडेशन द्वारा तैयार किया गया है। इस कलाकृति की याद यहां आने वाला हर पर्यटक अपने साथ लेकर जाएगा।

क्या है ग्लोब ऑफ होप?

इस ग्लोब ऑफ होप को बनाने में चार हजार प्लास्टिक की खाली बोतलों का इस्तेमाल किया गया है। एक लोहे का फ्रेम तैयार किया गया। उस पर इन बोतलों में छेद कर फिट किया गया। इसे बनाने में लगभग तीन महीने का समय लगा है। इसके लिए बोतलें एकत्र करने में कई महीने लगे हैं। इस ग्लोब ऑफ होप की ऊंचाई लगभग 16 फीट है। इसका व्यास 12 फीट का है।

यही है वो ग्लोब ऑफ होप, जो सूरसदन चौराहे पर स्थापित होगा। इसे बनाने में चार हजार प्लास्टिक की खाली बोतलों का इस्तेमाल किया गया है • उपलब्ध फोटो

पूरे शहर से एकत्र की बोतलें

इस ग्लोब को बनाने का विचार जब संस्था के सदस्यों के दिमाग में आया। तभी से इसके लिए बोतलें एकत्र करने का काम शुरू कर दिया गया। वाट्सएप ग्रुपों और सोशल नेटवर्किंग साइटों की मदद से लोगों से अपील की गई। दोस्तों से, दोस्तों के दोस्तों से, रिश्तेदारों से, होटलों और रेस्टोरेंट्स से बोतलें मंगाई गई।

प्लास्टिक की बोतलें हजारों में

ताजनगरी एक पर्यटन शहर है। ऐसे में यहां आने वाले सभी पर्यटक आगरा का पानी नहीं बल्कि बोतलों का पानी पीते हैं। एक अनुमान के मुताबिक शहर में हर रोज 35 से 40 हजार प्लास्टिक की खाली बोतलें कूड़े में जाती हैं।

क्या है ईको ब्रिक?

ईको ब्रिक बनाने के लिए प्लास्टिक की खाली बोतलों में प्लास्टिक की थैलियां भरी जाती हैं। इन्हें प्लास्टिक की थैलियों से ही मजबूत किया जाता है। फिर इससे फर्नीचर, लैंप शेड्स आदि बनाए जाते हैं। संस्था द्वारा इन ईको ब्रिक्स से लाजपत कुंज पार्क में बेंचें, जिला जेल में बेंचे, श्री रामलाल वृद्धाश्रम में दीवार बनाई जा चुकी है।

क्या है अनफोल्ड फाउंडेशन?

यह संस्था पिछले साढ़े चार साल से शहर में काम कर रही है। संस्था सेहत के प्रति जागरूकता फैलाने के साथ ही प्लास्टिक से होने वाले नुकसानों की भी जानकारी देती है। इस ग्रुप में डाक्टर्स के साथ-साथ कई क्षेत्रों की महिलाएं जुड़ी हुई है। डेढ़ साल पहले संस्था ने ईको ब्रिक बनाने की शुरुआत की थी।

इन्होंने बनाया ग्लोब ऑफ होप

डा. मीता कुलश्रेष्ठ, डॉ. अलका कपूर, पूनम कुंद्रा, डॉ. पूनम धवन, पूनम लाहौती, पूनम मंगवानी, पूजा अग्रवाल, नीना सिंघल, रश्मि सिन्हा ने मिलकर इस ग्लोब को बनाया है।

सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ संदेश देना चाहते हैं कि हमने अपनी पूरी पृथ्वी को प्लास्टिक से ढक दिया है। इस ग्लोब को मेयर को दिखाया गया तो उन्हें यह इतना पसंद आया कि इसे सूरसदन पर स्थापित करने की बात कही। अगले दस दिनों में यह ग्लोब सूरसदन पर लाइट के साथ प्रकाश फैलाएगा। डा. मीता कुलश्रेष्ठ

THE MAKING & INSTALLATION OF BOTTLE – GLOBE AT

ग्लोब ऑफ होप से चमका सूरसदन चौराहा

कैबिनेट मंत्री सुरेश राणा और मेयर नवीन जैन ने किया उद्घाटन

· अमर उजाला ब्यूरो

आगरा। शनिवार को एमजी रोड पर सूरसदन चौराहे के आईलैंड पर ग्लोब ऑफ होप का उद्घाटन किया गया। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सुरेश राणा ने मेयर नवीन जैन के साथ 12 फुट व्यास और 16 फुट ऊंचाई वाले प्लास्टिक की बोतलों से बनाए गए ग्लोब ऑफ होप का लोकार्पण किया। एलईडी लाइटिंग से रोशन किए गए ग्लोब से सूरसदन चौराहे की तस्वीर ही बदल गई।

अनफोल्ड संस्था की डॉ. मीता कुलश्रेष्ठ, डॉ. अलका कपूर, पूनम कुंद्रा, डॉ. पूनम धवन आदि ने ग्लोब ऑफ होप का निर्माण सिंगल यूज प्लास्टिक की बोतलों से किया। चार हजार खाली बोतलों से बनाए गए ग्लोब के जरिए पर्यावरण बचाने और पॉलिथीन, प्लास्टिक का उपयोग बंद करने का संदेश दिया गया है। मेयर नवीन जैन ने कहा कि जल्द ही अन्य चौराहों को भी लाइटिंग और इसी तरह की कृतियों से सजाने की योजना है। इस दौरान पार्षद रवि माथुर, गुप्ता आदि मौजूद रहे।

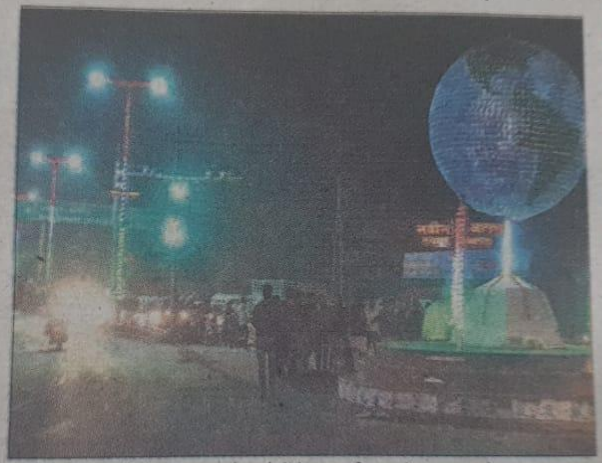

सूरसदन चौराहे पर लगा ग्लोब लोगों के आकर्षण का केंद्र रहा (बाएं) इसका उद्घाटन करते कैबिनेट मंत्री सुरेश राणा व मेयर।

'बीएचयू में मुस्लिम प्रोफेसर तो एएमयू में हिंदू क्यों नहीं'

आगरा। स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती ने कहा है कि आगरा का पुनः नामकरण

दक्षिणांचल कर्मियों

ताले जड़े, जमा न

7th December 2019

Plastic awareness rally and Eco-Brick demo organised by Sadar Bazar Traders & Cantonment Board Agra. by Dr. Meeta & Mrs. Pooja.

7th December 2019

7th December 2019

Hand washing session Ek-Pahel school. Dr. Alka, Mrs. Lahoti

कपड़े के थैलों का करो प्रयोग

कपड़े के थैलों का वितरण करती सर्व कल्याण जनकल्याण चौरिटेबल ट्रस्ट की पदाधिकारी। फोटोः अमर भारती

अमर भारती संवाददाता

आगरा। सर्व कल्याण जनकल्याण चौरिटेबल ट्रस्ट ने पॉलीथिन हटाओ, पर्यावरण बचाओ अभियान के तहत शनिवार को दयालबाग स्थित एक पहल पाठशाला में बस्ती के लोगों को निःशुल्क कपड़े के थैलों का वितरण किया। इसके साथ ही रियायती दर पर 800 किलो चीनी का भी वितरण किया। अनफोल्ड फाउंडेशन से डॉक्टर अलका कपूर, पूनम लोहाटी ने स्कूल के बच्चों, बस्ती के लोगों को हाथ धोने के तरीके एवं कूड़े के समुचित निस्तारण के बारे में बताया। कार्यक्रम में मोनिका गोयल, श्रुति गोयल, अदिति गोयल, रिचा शर्मा, प्रियंका जैन, विनीता खंडेलवाल, मिताली दादू, सोनम गुप्ता, पारूल गोयल, नुपुर अग्रवाल, इंदु सिहल, ललित, मनीष राय, शुभांगी आदि उपस्थित रहीं।